

༄༅། བོད་ཀྱི་ནང་བསྟན་དཔེ་ཚོགས་ལྷེ་གནས་།

Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

|              |          |                    |          |
|--------------|----------|--------------------|----------|
| <b>Work:</b> | W3CN1813 | <b>ImageGroup:</b> | I3CN1815 |
| <b>LCCN:</b> | n/a      | <b>ISBN:</b>       | n/a      |

|                              |                                                                                                                                                         |
|------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <b>Title:</b>                | གཟུངས་སྟགས་བྱད་པར་ཅན་རྣམས་པན་ཡོན་མདོར་བསྟུས་དང་བཅས་གཅིག་ཏུ་བཀོད་པ།<br>gzungs sngags khyad par can rnam phan yon mdor bsdu dang bcas gcig<br>tu bkod pa/ |
| <b>Author:</b>               | ཀར་རང་བྱུང་ཀུན་མཁྱེའ།<br>karma rang byung kun khyab/                                                                                                    |
| <b>Descriptor:</b>           | n/a                                                                                                                                                     |
| <b>Original Publication:</b> | n/a;n/a                                                                                                                                                 |
| <b>Place:</b>                | rdor gling rdog tsug dgon/                                                                                                                              |
| <b>Publisher:</b>            | rdor slob bla ma ka lu/                                                                                                                                 |
| <b>Date:</b>                 | [n.d.]                                                                                                                                                  |
| <b>Volume:</b>               | 1                                                                                                                                                       |
| <b>Total Volumes:</b>        | 1                                                                                                                                                       |
| <b>TBRC Pages:</b>           | 2                                                                                                                                                       |
| <b>Introductory Pages:</b>   | n/a                                                                                                                                                     |
| <b>Text Pages:</b>           | n/a                                                                                                                                                     |
| <b>Scanning Information:</b> | Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor,<br>Cambridge, Mass. 02138. Comments: 06/2015                            |





[illegible][illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

श्रीगुरुभ्यः

[illegible]

[illegible]

卷之二

[illegible]



[illegible]



[illegible]

[illegible]

221

पञ्चमः अङ्कः ५॥

[illegible]

*[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]*

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवा-  
 दः ॥ अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ १ ॥ धर्मक्षेत्रे  
 कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैव  
 कीदृशं वीर्यवान् साधुर्धनः ॥ २ ॥ तदा द्रुपद उवाच ॥  
 सौम्यं त्वया प्रबोधितः पांडवः ॥ न हि शङ्केतुं योग्यं  
 मम हृदि तव चरणयोनिः ॥ ३ ॥ तदा कुरुक्षेत्रे  
 युद्धभार्या उवाच ॥ ४ ॥ द्रुपद उवाच ॥ ५ ॥

11

卷之四

6  
8  
  
4  
  
2  
1  
J  
10

4

1998

127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 852. 853. 854. 855. 856. 857. 858. 859. 860. 861. 862. 863. 864. 865. 866. 867. 868. 869. 870. 871. 872. 873. 874. 875. 876. 877. 878. 879. 880. 881. 882. 883. 884. 885. 886. 887. 888. 889. 890. 891. 892. 893. 894. 895. 896. 897. 898. 899. 900. 901. 902. 903. 904. 905. 906. 907. 908. 909. 910. 911. 912. 913. 914. 915. 916. 917. 918. 919. 920. 921. 922. 923. 924. 925. 926. 927. 928. 929. 930. 931. 932. 933. 934. 935. 936. 937. 938. 939. 940. 941. 942. 943. 944. 945.

10

2

15

1

10

100

1

4 1 1 7

1. The first step is to identify the problem or question that needs to be answered. This involves understanding the context and the specific requirements of the task.

1994

1999

[illegible]



[illegible]

251

१८१

1

 $W_1 \in$ 

5-1231

100

4115N

5

100

1

115

19

1

५३

四

525

Handwritten notes at bottom left:

1890  
1891

100

51

13

211

1

[illegible]

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ २ ॥  
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ३ ॥  
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ४ ॥  
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ५ ॥  
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ६ ॥  
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ७ ॥  
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ८ ॥  
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ९ ॥  
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]



[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ॥ २ ॥  
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥ ३ ॥  
सर्वकलहहर्त्रा सर्वमोघहर्त्रा ॥ ४ ॥  
सर्ववैद्यं सर्वशरणं सर्वभूतहितं ॥ ५ ॥  
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥ ६ ॥  
सर्वकलहहर्त्रा सर्वमोघहर्त्रा ॥ ७ ॥  
सर्ववैद्यं सर्वशरणं सर्वभूतहितं ॥ ८ ॥  
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥ ९ ॥  
सर्वकलहहर्त्रा सर्वमोघहर्त्रा ॥ १० ॥  
सर्ववैद्यं सर्वशरणं सर्वभूतहितं ॥ ११ ॥  
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥ १२ ॥  
सर्वकलहहर्त्रा सर्वमोघहर्त्रा ॥ १३ ॥  
सर्ववैद्यं सर्वशरणं सर्वभूतहितं ॥ १४ ॥  
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥ १५ ॥  
सर्वकलहहर्त्रा सर्वमोघहर्त्रा ॥ १६ ॥  
सर्ववैद्यं सर्वशरणं सर्वभूतहितं ॥ १७ ॥  
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥ १८ ॥  
सर्वकलहहर्त्रा सर्वमोघहर्त्रा ॥ १९ ॥  
सर्ववैद्यं सर्वशरणं सर्वभूतहितं ॥ २० ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
 अथ श्रीसुबोधिनोक्तं  
 सुबोधिनोक्तं श्रीसुबोधिनोक्तं  
 सुबोधिनोक्तं श्रीसुबोधिनोक्तं  
 सुबोधिनोक्तं श्रीसुबोधिनोक्तं  
 सुबोधिनोक्तं श्रीसुबोधिनोक्तं

[illegible]

卷之二

[illegible]

विष्णुपूजा नमोऽस्तु त्रयम् । सदा यद्विष्णुया तद्गुणाय नमः ।  
 श्रीगणेशाय नमः । विष्णुया तद्गुणाय नमः । विष्णुया तद्गुणाय नमः ।  
 विष्णुया तद्गुणाय नमः । विष्णुया तद्गुणाय नमः । विष्णुया तद्गुणाय नमः ।  
 विष्णुया तद्गुणाय नमः । विष्णुया तद्गुणाय नमः । विष्णुया तद्गुणाय नमः ।  
 विष्णुया तद्गुणाय नमः । विष्णुया तद्गुणाय नमः । विष्णुया तद्गुणाय नमः ।

॥ॐ॥

[illegible]

[illegible]



༡༡། དཔ། སྤྱུག་བསྐྱེད་བཅུ་དང་། བཅུ་ཆ་ག་པོ་  
གོ་ལམ་དཔེ་བཅུ་པོ་ལྟར་ཅིག་ འདི་ཆེ་ར་བསྒྲོམ་བཞུགས་  
གཞུང་པའི་གཞུང་དེ་ན་མ་ལ་ལ་མེ་ཆེ་མ་ཆེ་དཔེ་བཅུ་པོ་  
པ་ལྟར་དེ་དེ་ལྟར་ལྟར་ག་ཅི་ག་ཏེ་རྩོད་ཆུང་ཁོང་ག་ལྟར་ཅི་དཔ།



པའི་ཚོགས་ལྷན་ཅན་གྱི་ཁྱེད་དཔལ་ལྷན་ལྷན་གྱི་  
བཟུངས་པའི་སྒྲོ་ཁྱིམ་ལྷན་གྱི་ཁྱེད་ལྷན་གྱི་ཁྱེད་ལྷན་གྱི་  
ལྷན་གྱི་ཁྱེད་ལྷན་གྱི་ཁྱེད་ལྷན་གྱི་ཁྱེད་ལྷན་གྱི་ཁྱེད་ལྷན་གྱི་  
ལྷན་གྱི་ཁྱེད་ལྷན་གྱི་ཁྱེད་ལྷན་གྱི་ཁྱེད་ལྷན་གྱི་ཁྱེད་ལྷན་གྱི་

卷之四 雜著

